केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 199 शुक्रवार 9 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### समाजसेवी 100 वर्षीय सुदामा राय के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रमुख समाजसेवी वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के वरिष्ठ सदस्य संतकबीर नगर जनपद के बालू शासन के मूल निवासी 100 वर्षीय सुदामा राय का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। 8 फरवरी गुरूवार को उनका अंतिम संस्कार काशी के मणिकर्णिका घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र विशाल राय ने दी। उनके निधन से शोक है।

गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के शिविर कार्यालय पर महासचिव श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में आकस्मिक श्रद्धांजलि सभा कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। समिति के अध्यक्ष वी. एन. शुक्ल श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि उन्हें अनेको बार योगदान के लिये प्रशासन और सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से बी.के. मिश्र, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', चन्द्रबली मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, प्रदीप श्रीवास्तव, जगदम्बा प्रसाद भावुक, अजमत अली सिद्दीकी, गणेश, छोटेलाल वर्मा, कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, लालता प्रसाद पाण्डेय, सदानन्द शर्मा, श्याम प्रभात शर्मा, पेशकार मिश्र, साधूशरण शुक्ल आदि ने दो मिनट का मौन रखकर शामिल रहे।

### कक्षा 12 के छात्रों को दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती –गुरुवार को नगर पंचायत कप्तानगंज के आदि शक्तिनगर वार्ड में माँ गायत्री इंटर कालेजनकटीदेई में दसवीं,ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्र छात्राओं ने जमकर मस्ती की। गुरुवार को इस स्कूल में बारहवीं क्लास के छात्रों की फेयरवेल पार्टी मनाई गई। इस दौरान कक्षा बारहवीं और ग्यारहवीं के छात्रों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी और खट्टी –मीठी यादों को शेयर किया। इस पूरे धमाल में बारहवीं के छात्रों के चहरे पर खुशी तो दिखी लेकिध्न स्कूल से विध्दाई का दर्द वो छुपा नहीं सके।

मां गायत्री इंटर कालेज में गुरुवार को छात्र छात्राओं ने जमकर धमाल मचाया। इस दौरान स्कूल की अध्यापको के साथ प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे। दरअसल इस साल बारहवीं का बोर्ड परीक्षा देने के बाद करीब दो सौ से ज्यादा छात्र इस स्कूल को अलविदा कह देंगे। फेयरवेल पार्टी के दौरान सरस्वती वंदना, स्वागत गीत,डांस,,कव्वाली ,स्पीच और अपनी अदाओं के जादू से छात्र छात्राओं ने सबका खूब मनोरंजन किया।

बारहवीं के छात्रों ने इस दौरान अपने हर सब्जेक्ट के टीचरों को भी याद किया। इस दौरान कई छात्रों ने मंच से अपने उस अनुभव को भी शेयर किया जो पढ़ने के दौरान इस स्कूल से उन्होंने ग्रहण किया था। छात्रों के मनोरंजन के लिए कई सवाल भी पूछे गए। सही जवाब देने पर उनको पुरस्ध्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने अपना आशीर्वाद उद्बोधन किया साथ ही 11वीं के छात्र–छात्राओं ने 12वीं के छात्र–छात्राओं को उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना किया।

# वित्त मंत्री ने यूपीए सरकार के 10 सालों पर पेश किया श्वेत पत्र

**नई दिल्ली (आभा)।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में यूपीए सरकार के 10 सालों के कार्यकाल पर 'श्वेत पत्र' पेश कर दिया है। इस श्वेत पत्र में 2004 से 2014 तक चली यूपीए सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा देश पर कर्ज बढ़ाने और आम आदमी के स्वास्थ्य आदि पर खर्च में भी इजाफा होने का दावा इसमें किया गया है। संसद में श्वेत पत्र को पेश किया गया है और अब इस पर बहस होगी। उसके बाद वित्त मंत्री खुद बहस का जवाब देंगी। श्वेत पत्र में यूपीएम के दौर में डिफेंस सेक्टर में भी कमजोरी का दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र की तैयारियां कमजोर थीं।

सबसे अहम बात है कि इस सर्वे में यूपीए सरकार के दौरान 15 घोटाले होने का दावा किया गया है। श्वेत पत्र में जिन घोटालों का जिक्र किया गया है, उनमें टूजी स्कैम और कोल ब्लॉक के आवंटन का घोटाला भी शामिल है। इन दोनों घोटालों की उस दौरान खूब चर्चा हुई थी और अन्ना आंदोलन से लेकर बाबा रामदेव के प्रदर्शन तक में इनका जोरशोर से जिक्र होता था। अब श्वेत पत्र में भी इनका जिक्र किया गया है और यूपीए सरकार के 10 सालों में 15 घोटालों का आरोप लगाया गया है। श्वेत पत्र में नौकरी के बदले जमीन घोटाले को भी शामिल किया गया है, जिसमें लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ जांच चल रही है। यह घोटाले तब होने का दावा किया जाता है, जब लालू यादव रेल मंत्री थे।

श्वेत पत्र में शारदा चिटफंड स्कैम, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, एयरसेल–मैक्सिस और आईएनएक्स मीडिया केस का भी जिक्र किया गया है। गुरुग्राम और पंचकूला में लैंड डील, एंट्रीक्स देवास डील जैसे घोटालों का भी इस श्वेत पत्र में विस्तार से जिक्र हुआ है। बता दें कि लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ जमीन घोटाले के मामले में जांच चल रही है और उनसे कई बार पूछताछ भी की जा चुकी है। तेजस्वी यादव से भी इस मामले में लंबी पूछताछ हो चुकी है। श्वेत पत्र में आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला और अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर डील का भी जिक्र हुआ है।

इस श्वेत पत्र में शारदा चिट फंड और नौकरी के बदले जमीन घोटाले का जिक्र करते हुए लालू यादव और ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा है। नौकरी के बदले जमीन घोटाले का जिक्र करते हुए श्वेत पत्र में लिखा गया है, श्इस मामले में रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप डी में नौकरी के बदले में भूमि या संपत्ति हस्तांतरण के रूप में आर्थिक लाभ प्राप्त करना शामिल है। इसकी जांच चल रही है।

# यूपी पुलिस भर्ती में सेंधमारी: बागपत और गाजियाबाद से12 गिरफ्तार

**लखनऊ (आभा)।** यूपी पुलिस कम्प्यूटर ऑपरेटर भर्ती परीक्षा में सेंधमारी करने के मामले में एसटीएफ मेरठ यूनिट को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने सेंधमारी करने वाले गिरोह के 12 लोगों को बागपत और गाजियाबाद से बुधवार को गिरफ्तार किया है। बुधवार रात बुलंदशहर कोतवाली देहात पुलिस ने यूपी पुलिस समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह के 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। कुल मिलाकर दो गैंग का भंडाफोड़ हुआ और 23 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। यूपी पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा कराई जा रही है, जिसके लिए प्रदेशभर में अलग अलग सेंटर बनाए गए हैं।

यूपी एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने इस परीक्षा में सेंधमारी करने वाले गिरोह के 12 सदस्यों को बड़ौत में आवास विकास कॉलोनी और गाजियाबाद में विधान पब्लिक स्कूल दुहाई से गिरफ्तार किया। खुलासा हुआ कि यह गैंग कंप्यूटर लैब के कंप्यूटर को एनी–डेस्क की मदद से हैक करने के बाद नकल कराता था। गिरोह में सीआरपीएफ का एक जवान भी शामिल है, जो फरार बताया गया है। गिरोह एक परीक्षा पास कराने के लिए 5 से 6 लाख रुपये लेता था। इसके लिए एक इंटरनेशनल हैकर को काम दिया गया था, जो फरार है। बड़ौत कोतवाली में आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

दूसरी ओर, बुलंदशहर में एसपी सिटी शंकर प्रसाद ने गुरुवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता में खुलासा किया कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा और कई अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराने वाले गैंग का इनपुट मिला था। बुधवार रात जहांगीराबाद बस स्टैंड के पास से गिरोह के 8 सदस्यों और तीन अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों के पास से उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड से संबंधित 37 एडमिट कार्ड और सात एप्लीकेशन फार्म की छायाप्रति, 11 मोबाइल फोन, लैपटॉप, थम्ब स्कैनर, 4500 रुपये, दो मुहर, फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद हुआ है। सभी पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

### भाजपा ने बनायी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा ने गांव चलो अभियान को लेकर सांसद समेत विधायक एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत 6 से 15 फरवरी तक चलने वाले इस देश व्यापी अभियान में प्रवास करेंगे। अभियान के जिला संयोजक अमृत कुमार वर्मा के मुताबिक, पार्टी के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता जिले के 2151 बूथों पर 24 घंटे प्रवास करेंगे।

# भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण वितरण न किये जाने पर डीएम ने दिया चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विभिन्न योजनाओं में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा ऋण वितरण ना किये जाने पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने असंतोष व्यक्त किया है तथा निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर मेरिट के आधार पर स्वीकृत या अस्वीकृत करें अन्यथा उनके विरूद्ध बिजिलेन्स जॉच करायी जायेंगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैंक एवं विभागों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं परामर्श समिति की बैठक में उन्होने कहा कि बैंक का 41.84 प्रतिशत ऋण जमानुपात बेहद कम है तथा अन्तिम त्रैमास में इसमें सुधार लायें।

समीक्षा में उन्होने पाया कि भारतीय स्टेट बैंक में प्रधानमंत्री रोजगार योजना में 34, खादी ग्रामोद्योग के 16, मुख्यमंत्री स्वतः रोजगार योजना में 19, मत्स्य केसीसी के 16, ओडीओपी मार्जिनमनी योजना में 6 ऋण आवेदन पत्र लम्बित है। बैंक का ऋण जमानुपात 35.6 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने इसमें सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया है।

समीक्षा में उन्होने पाया कि वार्षिक ऋण योजना के अन्तर्गत कुल लक्ष्य रू0 3222 करोड़ के सापेक्ष रू0 2252 करोड़ ऋण वितरित किया गया है। कृषि क्षेत्र में रू0 2324 करोड़ के सापेक्ष रू0 726 करोड़ ऋण वितरण हुआ है, जबकि लघु, मध्यम, सूक्ष्म उद्योग (एमएसएमई) में 471 करोड़ के सापेक्ष 748 करोड़ कुल 158 प्रतिशत ऋण वितरण हुआ है। जिलाधिकारी ने शिक्षा ऋण तथा आवासीय ऋण कम होने पर असंतोष व्यक्त किया है। शिक्षा ऋण रू0 63 करोड़ के सापेक्ष मात्र 3.25 करोड़ तथा आवासीय ऋण रू0 170 करोड़ के सापेक्ष मात्र 11.89 करोड़ वितरित हुआ है।

जिलाधिकारी के पूछने पर बैकर्स ने बताया कि आवासीय ऋण देने के लिए बस्ती विकास प्राधिकरण से भवन का नक्शा पास होना अनिवार्य है और यहॉ पर शुल्क बहुत ज्यादा होने के कारण लोग नक्शा नही पास कराते है, इसलिए वे ऋण के लिए आवेदन भी नही करते है। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष बस्ती विकास प्राधिकरण ने आश्वस्त किया है कि शुल्क कम करने के लिए बोर्ड की बैठक में उनके द्वारा प्रस्ताव रखा जायेंगा। उन्होने सभी बैंकर्स से अपील किया कि युवाओं की उच्च शिक्षा पूर्ण करने के लिए अधिक से अधिक शिक्षा ऋण वितरित करें।

किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा करते हुए कृषि एवं मत्स्य पालन के लिए वितरित केसीसी पर उन्होने संतोष व्यक्त किया। केसीसी 45301 नवीनीकरण तथा 36656 नये कुल 81957 कार्ड बनाकर 81.58 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की गयी है। इसी प्रकार मत्स्य पालको के लिए भेंजे गये 132 में से 48 केसीसी बनाये गये है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत 21597 के सापेक्ष रू0 215.56 करोड़ स्वीकृत एवं वितरित किया गया है। इसके अन्तर्गत 10 लाख रूपये तक का ऋण शिशु, किशोर एंव तरून को बिना किसी कोलेटरल सिक्योरीटी के प्रदान किया जाता है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि आगामी 12 फरवरी को मुख्य सचिव कप्तानगंज ब्लाक के बढनी मिश्र गॉव में आयेंगे। वहॉ पर बैंकर्स स्टाल लगाकर सभी योजनओं में ऋण वितरण करायें। बैठक का संचालन लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या ने किया। उन्होने कहा कि सभी बैंकर्स अपनी आरसी का मिलान कलेक्ट्रेट स्थित सीआरए अनुभाग से करा लें। बैंको का कुल 22 करोड़ रूपया की आरसी है। इसमें भारतीय रिजर्ब बैंक के मार्कण्डेय चतुर्बेदी, डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, मत्स्य के संदीप कुमार वर्मा, डूडा की सुनीता सिंह, अपर सांख्यिकी अधिकारी जीतेन्द्र गौतम, फसल बीमा के शिवकुमार तथा सभी बैंको के जिला समन्वयक उपस्थित रहें।

# पाकिस्तान चुनाव रुझानों में नवाज, बिलावल आगे

करांची (आभा)। पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और प्रांतीय चुनाव के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान सुबह 8.30 बजे शुरू हुआ और शाम 5.30 बजे तक चला। पाकिस्तान में वोटिंग की गिनती के बीच अलग–अलग सीटों से रुझान आने भी शुरू हो गए हैं। आधिकारिक नतीजे 9 फरवरी को घोषित हो सकते हैं।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 336 सीटें हैं। इनमें से गुरूवार को 265 सीटों पर चुनाव हुआ। जबकि बाकी सीटें रिजर्व हैं। आर्थिक तंगी के बावजूद पिछले 4 चुनावों की तुलना में इस बार का चुनाव सबसे ज्यादा खर्चीला है। करीब 1 हजार करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चीफ बिलावल भुट्टो जरदारी तीनों सीट (लाहौर, लरकाना और कंवर शहदकोट) से आगे चल रहे हैं। समाचार के मुताबिक खैबर पखतूनख्वा के स्वाबी इलाके में लोगों ने महिलाओं को मतदान नहीं करने दिया। इस इलाके में 6 हजार महिला मतदाता हैं।

# हक के लिये सड़कों पर उतरे किसान

नोयडा (आभा)। अपनी मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश के किसान गुरुवार को दिल्ली कूच करने की तैयारी की थी। किसान दोपहर में नोएडा के महामाया फ्लाईओवर पर जमा होकर दिल्ली की तरफ बढ़ने का आह्वान किया था। दिल्ली में किसानों के प्रवेश को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुबह से ही उत्तर प्रदेश से सटे सभी बॉर्डर खासकर गाजीपुर, अप्सरा और चिल्ला बॉर्डर पर सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया। इन बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस के जवानों के अलावा रेपिड रेपिड एक्शन फोर्स को तैनात किया गया। साथ ही सभी बॉर्डर को बैरिकेड लगाकर सील कर दिया गया। पुलिस ड्रोन से सुरक्षा का जायजा ले रही थी। नोएडा व ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से किसानों के दिल्ली कूच को लेकर गुरुवार को दिन भर दिल्ली के सभी बॉर्डर पर गहमा–गहमी रही। किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुबह से ही उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले गाजीपुर, अप्सरा और चिल्ला बॉर्डर पर मुस्तैदी बढ़ा दी। सभी बॉर्डर को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

# विधायक महेन्द्रनाथ ने सदन में उठाया ढाढी, दुसाध जाति के जाति प्रमाण जारी न किये जाने का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव द्वारा बजट सत्र के दौरान जनहित के सवालों को उठाने का सिलसिला गुरूवार को भी जारी रहा। अतारांकित प्रश्न के द्वारा पूंछा कि क्या मुख्यमंत्री बतायेंगे कि प्रदेश में ढाढी जाति दुसाध जाति की उप जाति के अर्न्तगत चिन्हित है। यदि हां तो क्या बस्ती, गोण्डा, देवी पाटन मण्डल में इन जातियों के व्यक्तियों को जाति प्रमाण–पत्र जारी नहीं किया जा रहा है। यदि हां तो कारण क्या है।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के प्रश्न के उत्तर में राज्य मंत्री असीम अरूण ने लिखित उत्तर में बताया कि भारत सरकार के राज पत्र अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन अधिनियम 1976 में उ.प्र. की अनुसूची क्रमांक 33 पर दुसाध जाति अनुसूचित जाति की सूची में सूचीबद्ध है। शासनादेश में ढाढी जाति का उल्लेख दुसाध अनुसूचित जाति की उप जाति के रूप में अंकित नहीं है। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के प्रतिनिधि शैलेन्द्र कुमार दूबे ने यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से उक्त जानकारी दी है। कहा कि विधायक द्वारा जनहित में अनेक सवाल निरन्तर उठाये जा रहे हैं किन्तु प्रदेश की भाजपा सरकार समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नही है।

# विधायक अजय सिंह बने विकसित भारत एंबेसडर, पीएम मोदी ने दी बधाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

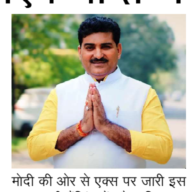

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने पूरे देश में विकसित भारत एम्बेसडर में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर विकसित भारत अभियान की एंबेसडर रिपोर्ट जारी कर विधायक अजय सिंह को बधाई दिया है। विधायक ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी नेतृत्व का आभार जताया है।

प्रधानमंत्री ने दिसंबर में नमो ऐप डाउनलोड कराने और विकसित भारत एंबेसडर बनाने का आह्वान किया था। इसी अभियान के तहत पीएम मोदी की ओर से एक्स पर जारी इस सप्ताह की रैंकिंग में हरैया विधायक अजय सिंह को देश में विकसित भारत एम्बेसडर की टॉप फाइव सूची में शामिल किया गया है इस सप्ताह की रिपोर्ट में विधायक अजय सिंह चौथे स्थान पर रहे। इसको लेकर विधायक अजय सिंह सहित सभी टॉप फाइव विकसित भारत एंबेसडर को पीएम मोदी ने बधाई दी है। विधायक अजय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जो मुझे सम्मान दिया है उसके लिए मैं ह्रदय से आभारी हूं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस महत्वपूर्ण अभियान में मुझे एंबेसडर चुना गया है मेरे लिए गर्व की बात है। मैं पूरी ईमानदारी से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अभियान में अपना पूरा योगदान देने का प्रयास करूंगा।

# हरैया महिला चिकित्सालय में आउट सोर्सिंग भर्ती में मनमानी का आरोप

## –मण्डलायुक्त से जांच, कार्रवाई, नये सिरे से भर्ती कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन 'भानु' गुट के मण्डल प्रवक्ता चन्द्रेश प्रताप सिंह ने मण्डलायुक्त को पत्र देकर हरैया में नवनिर्मित 100 शैया युक्त महिला चिकित्सालय में शहरी आजीविका केन्द्र डूडा द्वारा सुचारूरूप से संचालन हेतु आउटसोर्सिंग भर्ती में किये गये अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही और भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर नये सिरे से भर्ती कराये जाने की मांग किया है।

मण्डलायुक्त को दिये पत्र में चन्द्रेश प्रताप सिंह ने कहा है कि उनके संज्ञान में लाया गया है कि विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग–1 के शासनादेश सं. 1014/5–1–2021–4 (1)/201 दिनांक 29 अक्टूबर 2021 में आउटसोर्स से स्वीकृति पद पर जिलाधिकारी द्वारा दी गयी स्वीकृति दिनांक 21–01–2024 व पत्र संख्या 01/डूडा/सी.एल.सी. / आउ./जी.ई.एम. / 2021–22 दिनांक 04.04.2022 में निहित सेवा शुल्क 4.5 पर दी गई सहमति पत्र सं. 598–1/आउ. चतुर्थ श्रेणी /2023–24 दिनांक 14.12. 2023 में संलग्न व्यय विवरण के अनुसार मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाना था। इसमें तकनीकी पद हेतु 10 पद एवं गैर तकनीकी पद हेतु 32 पद सृजित किये गये थे। उक्त भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन न करते हुये शहरी आजीविका मिशन डूडा के प्रबन्धक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अनियमितता और मनमानी की गई है।

पत्र में कहा गया है कि उक्त भर्ती प्रक्रिया में जे0एम0 पोर्टल / वेबसाइट पर तकनीकी पद को नही डाला गया। केवल गैर तकनीकी पद को वेबसाइट पर लोड किया गया एवं तकनीकी पद की भर्ती में भारी धन उगाही करते हुए प्रबन्धक आजीविका मिशन डूडा एवं मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती ने गुप–चुप तरीके से कर दिया और वेबसाइट पर तकनीकी 10 पद को न डालते हुए केवल गैर तकनीकी 32 पद को ही डाला गया। उक्त भर्ती प्रक्रिया में भारी प्रष्टाचार एवं अनियमितता किया गया है। जो सरकार के जीरो टालरेन्स नीति का उल्लघन है।

भारतीय किसान यूनियन 'भानु' गुट के मण्डल प्रवक्ता चन्द्रेश प्रताप सिंह ने उक्त भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर समूचे मामले के उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही नये सिरे से पारदर्शी ढंग से नियुक्ति कराये जाने का आग्रह किया है।

*''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 फरवरी 2024 शुक्रवार

## सम्पादकीय

# आरक्षण को संरक्षण

'पिछड़ी जातियों में से जो लोग आरक्षण से लाभान्वित हुए हैं, उन्हें अब आरक्षित श्रेणी से बाहर निकलना चाहिए और अपने से अधिक पिछड़ों के लिए आरक्षण का लाभ उठाने का रास्ता बनाना चाहिए।' ये टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट की 7–न्यायाधीशों की पीठ द्वारा की गईं, जो 2004 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले एक संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियां सजातीय वर्ग बनाती हैं और उनके बीच कोई उपविभाजन नहीं हो सकता है।

पीठ के एक न्यायाधीश की टिप्पणी, लेकिन शायद कुछ अन्य लोगों ने भी इसका समर्थन किया, ने आरक्षण से लाभ प्राप्त करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण पहलू को सामने ला दिया है। संविधान निर्माताओं ने विचार किया था कि आरक्षण की आवश्यकता केवल कुछ वर्षों तक ही रहेगी जब तक कि सभी वर्गों को समान अवसर नहीं मिल जाते। आजादी के बाद से भी अधिकतर समय तक हम लक्ष्य के करीब नहीं हैं। न केवल यह तथ्य कि आरक्षण का अंत नजरों से ओझल है, बल्कि और भी अधिक आरक्षण की मांग उठ रही है। देश में विभिन्न समुदायों द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन सहित आंदोलन देखे जा रहे हैं। यहां तक कि जिन समुदायों को अन्य समुदायों से बेहतर माना जाता था, वे भी आरक्षण का लाभ पाने के लिए 'पिछड़े' कहलाने को तैयार हैं।

लगभग दैनिक आधार पर अधिक समुदायों द्वारा आरक्षण की मांग को देखते हुए, आरक्षण को समाप्त करने और योग्यता के आधार पर भर्ती और पदोन्नति आदि के बारे में सोचना भी असंभव है। इसलिए पीठ द्वारा उठाए गए प्रासंगिक बिंदू पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह द्वारा दिए गए तर्कों को सारांशित करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने टिप्पणी की ''आपके अनुसार, एक विशेष श्रेणी के बीच, कुछ उपजातियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वे अपनी श्रेणी में आगे हैं। उन्हें उससे बाहर आकर सामान्य (श्रेणियों) से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। वहां क्यों रहें? और जो बचे हुए हैं, जो पिछड़ों में पिछड़े हैं, उन्हें आरक्षण मिलने दो। एक बार जब आप आरक्षण की अवधारणा को प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको आरक्षण से बाहर निकल जाना चाहिए।''

जवाब में महाधिवक्ता ने कहा, ''यही उद्देश्य है, और यदि वह लक्ष्य प्राप्त हो जाता है, तो जिस उद्देश्य के लिए यह अभ्यास किया गया था वह समाप्त हो जाना चाहिए।'' बात को आगे बढ़ाते हुए, पीठ के एक अन्य सदस्य न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा कि हालांकि इस तरह के बदलाव लाना संसद का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि यह विचार करने योग्य है कि क्या आरक्षित श्रेणी के आई.ए.एस., आई.पी.एस. और आई.एफ.एस. अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ मिलता रहना चाहिए। यही बात मंत्रियों, विधायकों और अन्य सार्वजनिक पदाधिकारियों के बेटे–बेटियों के साथ–साथ उन लोगों के लिए भी सच है जो आरक्षण प्रणाली का लाभ लेकर विभिन्न क्षेत्रों में सफल हुए हैं। अपनी श्रेणी के गरीबों के बच्चे पहले से ही लाभांवित माता–पिता के बच्चों से कैसे आगे बढने की उम्मीद कर सकते हैं जो बेहतर शिक्षा और अन्य सुविधाएं वहन कर सकते हैं।

आजादी के बाद से 75 वर्षों से अधिक समय तक आरक्षण व्यवस्था का जारी रहना अपने आप में इस व्यवस्था की विफलता की स्वीकारोक्ति है। हालांकि अब यह एक पिंजरे में बंद राक्षस है जो बढ़ता ही जा रहा है और इसे वापस पिंजरे में डालना लगभग असंभव है। इसके अलावा राजनीतिक दलों के लिए आरक्षण के खिलाफ खड़ा होना असंभव हो सकता है क्योंकि इसका मतलब होगा अपने वोट बैंक का त्याग करना और यह अकल्पनीय है। क्या कोई भी राजनीतिक दल यह रुख अपना सकता है कि वह आय और ऐसे अन्य मानदंडों के आधार पर प्रत्येक श्रेणी में केवल निचले 10 प्रतिशत लोगों तक लाभ पहुंचाने का प्रयास करेगा। महात्मा गांधी ने कहा था, ''जब भी आप संदेह में हों या जब स्वयं आप पर हावी हो जाए, तो निम्नलिखित परीक्षण अपनाएं। सबसे गरीब और कमजोर आदमी का चेहरा याद करें जिसे आपने देखा है और अपने आप से पूछें कि क्या आप जो कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं क्या वह सही है? वह किस काम आने वाला है। क्या इससे उसे कुछ हासिल होगा?''हमारे नेताओं और सत्ता में बैठे लोगों को इसे ध्यान में रखना चाहिए और प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि आरक्षण का लाभ हमारे सबसे गरीब और सबसे कमजोर साथी नागरिकों को मिले।

# जीवनदायिनी गंगा के स्वच्छता का यक्ष प्रश्न

–ज्ञानेन्द्र रावत–

जीवनदायिनी गंगा का जल अब पुण्य का नहीं वरनध्‌ कष्ट का सबब बन गया है। यदि 1986 से गंगा की सफाई पर सरकार द्वारा किये गये खर्च को छोड़ भी दिया जाये तो देश में 2014 में मोदी के सत्तारूढ़ होने के बाद से केन्द्र ने लाखों करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने नेशनल मिशन फार क्लीन रिवर गंगा को 2014–15 से 31 जनवरी, 2023 तक 14084.72 करोड़ की राशि जारी की है। 31 दिसम्बर, 2022 तक 32,912,40 करोड़ की लागत से 409 प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जा चुका है। इनमें 232 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं और 2026 तक के लिए केन्द्र सरकार ने 22,500 करोड़ की राशि की स्वीकृति भी दे दी है। उसके बावजूद गंगा नदी की सफाई का मुद्दा इतने सालों बाद आज भी अनसुलझा है। दुखदायी बात तो यह है कि गंगा के पूरे बहाव क्षेत्र के 71 फीसदी इलाके में कोलीफार्म की मात्रा खतरनाक स्तर पर पायी गयी है। जहां तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का सवाल है, उसके मुताबिक भी गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे गंदगी बहायी जा रही है। इसका परिणाम यह है कि गंगा का जल पीना तो दूर, वह अब आचमन लायक भी नहीं रह गया है।

मौजूदा हालात में गंगा जल को देश में चार जगहों यथा ऋषिकेश (उत्तराखंड), मनिहारी व कटिहार (बिहार), साहेबगंज व राजमहल (झारखंड) में ग्रीन कैटेगरी में रखा गया है। गौरतलब है कि ग्रीन कैटेगरी का मतलब यह है कि वहां का पानी कीटाणुओं को छानकर पीने में इस्तेमाल किया जा सकता है। जबकि उत्तर प्रदेश में तो 25 जगहों से ज्यादा का पानी ग्रीन कैटेगरी में शामिल है ही नहीं। इन जगहों पर गंगा जल को हाई लेवल पर साफ करने के बाद ही पीने योग्य बनाया जा सकता है। 28 जगहों का पानी तो नहाने लायक ही नहीं है। इसका सबसे ज्यादा और अहम कारण सॉलिड और लिक्विड वेस्ट है जो सीधे–सीधे गंगा में गिराया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी आफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट के शोध में खुलासा हुआ है कि गंगा के किनारे लगते मैदानी इलाकों में प्रदूषण का स्तर बढ़ते जाने से लोगों की उम्र कम हो रही है। अब तो यह भी साबित हो चुका है कि गंगा के पानी में घुले एंटीबायोटिक घातक साबित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी आफ यार्क के वैज्ञानिकों के शोध के निष्कर्षों के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र ने एंटीबायोटिक की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने को वर्तमान में स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या माना है।

विडम्बना है कि गंगा से जुड़ी सरकारी संस्थाएं इस तथ्य को नजरअंदाज करती आ रही हैं। असलियत में धार्मिक भावना के वशीभूत होकर गंगा के पानी में बहुत बड़ी तादाद में लोग नहाते हैं। यही नहीं, उसके जल का आचमन भी करते हैं। इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोध्‍ी बैक्टीरिया सीधे शरीर में प्रवेश कर जाता है और शरीर पर अपना असर दिखाने लगता है। उल्लेखनीय है कि गोमुख से लेकर गंगासागर में मिलने तक गंगा कुल 2525 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। गंगा के इस सफर में कुल 445 किलोमीटर हिस्सा बिहार में पड़ता है। यहां 730 मिलियन लीटर सीवर का पानी बिना शोधन के सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। यहां हानिकारक कीटाणुओं की तादाद इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है जिससे चर्म रोग होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां टोटल कोलीफार्म और फीकल कोलीफार्म का स्तर औसत से कई गुणा ज्यादा है।

गंगा देश की संस्कृति और आस्था की पहचान है। लेकिन अब यह देशवासियों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती है। इसके जल के पान की बात तो दीगर है, इसमें स्नान भी सेहत के लिए चुनौती साबित हो रहा है। क्योंकि अधिकांश जगहों पर कोलीफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानकों से 45 गुणा अधिक पायी गयी है। गंगा के प्रदूषित जल में जानलेवा बीमारियां पैदा करने वाले ऐसे जीवाणु मौजूद हैं जिन पर अब एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं होता। हालिया अध्‍ययन इसके प्रमाण हैं जिन्होंने गंगा नदी बेसिन में माइक्रोप्लास्टिक के उच्च प्रसार का खुलासा किया है। माइक्रोप्लास्टिक बायोडिग्रेबल नहीं होता। वह पर्यावरण में जमा होता रहता है। ये समुद्री, पारिस्थितिक तंत्र और मीठे पानी के तंत्र को प्रदूषित करते रहते हैं और कई सरीसृप, मीन और पक्षी प्रजातियों के लिए खतरा हैं। इनकी गंगा में मौजूदगी मानव स्वास्थ्य ही नहीं, प्राणिमात्र के लिए भीषण खतरा है।

बीते माह ही एनजीटी ने गंगा में प्रदूषण सम्बंधी एक याचिका की सुनवाई के दौरान गंगा में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति जानने हेतु एक समिति के गठन को मंजूरी दी है ताकि इस सम्बंध में सही तथ्यात्मक स्थिति की जानकारी हो सके और तात्कालिक रूप से उपचारात्मक कार्रवाई हो सके। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने इस बारे में कहा कि यह याचिका पर्यावरण मानदण्डों के अनुपालन से सम्बंधित एक अहम मुद्दा उठाती है। यह समिति सही तथ्यात्मक स्थिति और आरोपों की सत्यता का पता लगायेगी। यहां यह जान लेना जरूरी है कि गंगा शुद्धि के अभियान में केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों की साख द पर आंच है, वे पूरे जी–जान से गंगा की सफाई अभियान में लगे हैं। हकीकत में गंगा तब तक साफ नहीं होगी जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करने लग जायें और इस अभियान में जनभागीदारी की अहमियत समझते हुए उनका सहयोग लिया जाये।

–ये लेखक की निजी राय है।

# मोदी के 370 और 400 सीटें जीतने के दावे का सच

–अवधेश कुमार–

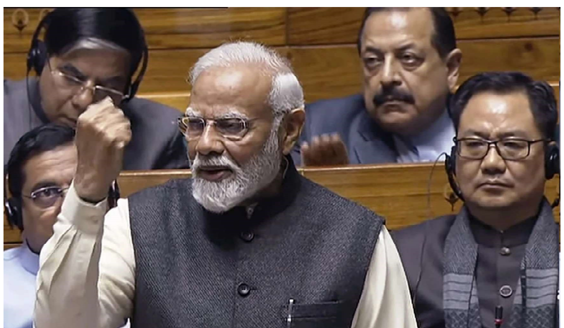

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रध्‍ाानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंध्‍ान के लिए 400 सीटों की जो बात की उस पर गहन चर्चा स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री द्वारा संसद के रिकॉर्ड में इसे लाने के बाद इस बात का विश्लेषण आवश्यक है कि यह उनका वास्तविक आत्मविश्वास है या अति आत्मविश्वास। इस संदर्भ में पहला तर्क यही होता है कि पार्टियां चुनाव में विजय के बड़े–बड़े दावे करती हैं और इसे अस्वाभाविक नहीं माना जाता। प्रश्न है कि क्या मोदी ने केवल भाजपा और राजग के पक्ष में माहौल बनाए रखने के लिए बड़ा लक्ष्य दिया है? क्या वे विपक्ष को हतोत्साहित करना या डराना चाहते हैं? या धरातल पर ऐसे कुछ ठोस आधार या माहौल भी है?

2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने 300 पार का नारा दिया था और भाजपा ने 303 सीटें जीतीं। हां, कई विध्‍ाानसभा चुनावों में भाजपा सीटों का घोषित लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी। इसके समानांतर यह भी सच है कि भाजपा ने अपने नारे के अनुरूप या आसपास लक्ष्यों को प्राप्त भी किया है। पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा–बसपा का गठबंधन हुआ तो भाजपा ने घोषणा की कि हम 50 प्रतिशत मतों के लिए लड़ रहे हैं और उसे 49.5 प्रतिशत मत तथा 63 सीटें प्राप्त हुईं।

2019 में भी विरोधियों और अनेक विश्लेषकों ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए लक्ष्य पर कटाक्ष किए थे। 2014 में कोई मानने को तैयार ही नहीं था कि भाजपा अकेले लोकसभा में बहुमत पा सकती है। किंतु ऐसा हुआ। जिस तरह 2014 और 2019 के अंकगणितीय आंकड़े के पीछे ठोस आधार और माहौल की भूमिका थी कुछ वैसा ही दूसरे रूप में 2024 चुनाव के पूर्व भी हम महसूस कर सकते हैं। सैफोलॉजी या चुनाव शास्त्र की दृष्टि से देखें तो सत्ता विरोधी रुझान की अभिव्यक्ति देने वाला विपक्ष आपसी एकता के लिए ही हाथ–पैर मार रहा है।

प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आने के पूर्व देश की आर्थिक अवस्था, रक्षा, विदेश नीति से लेकर महिलाओं व युवाओं की स्थिति, समाज की सोच से लेकर प्रशासनिक कार्यक्षमता, भ्रष्टाचार आदि का अपनी दृष्टि से तुलनात्मक विश्लेषण किया। कुल मिलाकर उन्होंने यह कहा कि जिस देश का आत्मविश्वास तक उनकी सत्ता में आने के पूर्व डोल गया था वह अब भविष्य की बड़ी शक्ति या विकसित भारत बनने के आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ गया है। ध्यान रखिए कि भाजपा ने श्री राम मंदिर आंदोलन के साथ 1989 में 2 लोकसभा सीटों से 89 तक की छलांग लगाई। लाल कृष्ण अडवानी की रथयात्रा के बाद 1991 में हुए चुनाव में भाजपा ने 120 सीटों के साथ देश की दूसरी बड़ी पार्टी का स्थान प्राप्त किया।

उस समय विरोधी खासकर मंडलवादी पाध्र्टयों ने प्रचार किया था कि अडवानी की रथ यात्रा सामाजिक न्याय और आरक्षण के विरुद्ध है। इसके बावजूद भाजपा की सीटें 1991 में बढ़ीं। सन् 2024 का लोकसभा चुनाव अयोध्या आंदोलन के पूर्णता पर पहुंचने की पृष्ठभूमि में हो रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान देश और देश के बाहर भारतवंशियों के बीच देखा जा रहा माहौल अद्भुत है। ऐसा लगता है जैसे देश में नए सिरे से आध्यात्मिक धार्मिक चेतना उत्पन्न हुई है।

**प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की नीतियों से मंडल और सामाजिक न्याय की अवधारणा को व्यावहारिक धरातल पर परिणत किया है। सामाजिक न्याय का राग अलापने वाली मंडलवादी पाध्र्टयों के पास मोदी सरकार द्वारा पिछड़े, दलितों के लिए किए गए कार्यों तथा आध्थक रूप से पिछड़े के लिए आरक्षण आदि का प्रत्युत्तर नहीं है। 1991, 96, 98 और 1999 के चुनावों में भाजपा ने मंडलवाद का इस तरह व्यवहार में उत्तर नहीं दिया जैसे मोदी सरकार के कार्यकाल में मिला है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में लोगों को आवास, बिजली, पानी, मुद्रा योजना के तहत कर्ज, जनध्‍ान योजना के खातों में हो रहे धन स्थानांतरण, किसान सम्मान निधि बारे बताते हुए जो आंकड़े दिए प्रधानमंत्री ने भी उसकी चर्चा की और सामाजिक न्याय के संदर्भ में विपक्ष के लिए इसका खंडन संभव नहीं है।** इस तरह श्री राम मंदिर, हिंदुत्व और सामाजिक न्याय व मंडलवाद के बीच मोदी सरकार ने सेतु बनाया और दोनों साथ बढ़े हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि पिछड़े की बात करने वालों की नीतियां पिछड़ा विरोधी रहीं तो एक वर्ग उनमें विश्वास करता है।

**रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हिन्दू समाज की जातीय सीमाओं को तोड़ रही है तो मंडलवाद और सामाजिक न्याय समर्थकों को भी लग रहा है कि मंडल और कमंडल का विभाजन केवल वोटों के लिए पैदा किया गया। यह असर कितना व्यापक है इसका एक प्रमाण नीतीश कुमार का पाला बदल भी है।** इसीलिए उन्होंने जाति आधारित गणना से लेकर विधानसभा में 75 प्रतिशत आरक्षण का कानून पारित किया। श्री राम विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के दौरान वे भाजपा में आए, क्योंकि उन्होंने बिहार और देश में उसके प्रभाव को देखा है। मंडलवादी नेता की ऐसी सोच एक व्यक्ति की नहीं है। इसका असर लोकसभा चुनाव पर होगा।

**प्रधानमंत्री के भाषण का मूल तत्व यही था कि पूर्व की सरकारों में आत्मविश्वास की कमी थी, वे लोगों की क्षमता पर भी विश्वास नहीं करते थे, दिशा नहीं थी, परिवारवाद और भ्रष्टाचार में फंस थे, इस कारण भारत को जहां होना चाहिए वहां नहीं पहुंचा। इसके विपरीत उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया, परिवारवाद बढने नहीं दिया तथा उम्मीद और आत्मविश्वास के साथ सही दिशा और नीतियां अपनाईं जिस कारण भारत आगे बढ़ रहा है। उन्होंने तीसरे कार्यकाल में भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की घोषणा की।**

यू.पी.ए. सरकार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2014 में अगले तीन दशक में तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात कही थी। इसके अनुसार भारत 2044 तक तीसरी अर्थव्यवस्था बनता। यहीं से उन्होंने आज के कदमों को अगले 1000 वर्ष तक के प्रभावों की आधारभूमि बताया। उन्होंने कहा कि 2014 में आने के बाद हमने गड्ढे भरे, 2019 से नवनिर्माण की नींव डाली और अब पुर्नमार्ण करेंगे। यह भी कि श्रीराम मंदिर हमारी संस्कृति और गौरव को ऊर्जा देता रहेगा। इसका अर्थ समझने की आवश्यकता है।

यानी 1000 वर्ष से भी पहले एक प्रक्रिया भारत में शुरू हुई, विदेशी आक्रमणकारी आए, अर्थ लूटा, ध्‍ार्मस्थल नष्ट किए और लाखों का निर्दयतापूर्वक धर्म परिवर्तन किया या मौत के घाट उतारा, स्वतंत्रता के बाद भी सरकारों ने उनको पलटने की कोशिश नहीं की। श्री राम मंदिर निर्माण के साथ वह प्रक्रिया पलट गई है। वैसी स्थिति पैदा नहीं होगी कि फिर वह त्रासदपूर्ण प्रक्रिया आरंभ हो। यानी अब भारत विकसित होगा , लेकिन यह शुष्क अर्थव्यवस्था नहीं, इसके पीछे भारत की सभ्यता, संस्कृति, अध्यात्म, सामाजिक समरसता का संपूर्ण योगदान होगा।

जब प्रधानमंत्री ने विपक्ष को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि आप सजा प्राप्त व्यक्ति का महिमामंडन करते हैं तो किसी के पास कोई उत्तर नहीं था। उनका इशारा लालू प्रसाद यादव की ओर था जिनको कांग्रेस व विपक्ष की कई पाध्र्टयां पूरा सम्मान दे रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोप में कार्रवाई हो रही है वे सब एक–दूसरे का साथ दे रहे हैं किंतु कार्रवाई जारी रहेगी। इस तरह उन्होंने भ्रष्टाचार के मामले में भी देश में 2 स्पष्ट पक्ष बनाए–जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रहा है तथा जो या तो भ्रष्टाचार के मुकद्दमों का सामना कर रहा है या ऐसे दूसरे का साथ दे रहा है। यह भी मतों के ध्रुवीकरण का एक कारक साबित होगा।

# विपक्षी गठबंधन की बेचैनी

– डॉ. आशीष वशिष्ठ–

केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में ही नहीं, बल्कि उनकी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी वर्ष में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश अंतरिम बजट से न केवल सरकार का आत्मविश्वास झलकता है कि वह अपने कार्यों के बल पर ही तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी, बल्कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने के उसके संकल्प का परिचय भी मिलता है। यह एक ऐसा अंतरिम बजट है, जिसमें सरकार ने चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई लोकलुभावन घोषणा नहीं की। ध्यान रहे 2019 के अंतरिम बजट में कई लोकलुभावन घोषणाएं की गई थीं। इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसका मतलब है कि सरकार मानकर चल रही है कि जनता को उस पर भरोसा है कि वह देशहित में सही दिशा में काम कर रही है।

विकास की राजनीति का यह एक नया उदाहरण है। जब सामने लगातार तीसरी पारी की लड़ाई का मैदान सज रहा हो और यह अपेक्षा हो कि लोकलुभावन घोषणाओं का तड़का लगेगा, तब नरेन्द्र मोदी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय व समानता के अवसर पैदा करते हुए भविष्य के विकसित भारत का संकल्प दोहराना यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में वापसी का विश्वास लबालब है। पीएम मोदी लोकलुभावन घोषणाओं के जरिए नहीं बल्कि अपने दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड, जो कहा सो पूरा किया के नारे के साथ ही जनता से समर्थन चाहते हैं।

मोदी–2 की सरकार ने आते ही जम्मू कश्मीर से धारा 370 की विदाई कर दी। राम मंदिर का रास्ता साफ किया और सीएए, एनआरसी जैसे कानून लेकर आई। मोदी–2 कार्यकाल की विदाई के चार महीने पहले अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी की मार से बाहर निकले हैं। ग्रामीण स्तर पर वह सारी सुविधाएं पहुंच रही हैं जो पहले छोटे शहरों तक में उपलब्ध नहीं था। बीमारी हर साल पुनः गरीबी के चपेट में आने का बड़ा कारण रहा है लेकिन आयुष्मान योजना ने उस दशा में परिवर्तन ला दिया। सड़क, रेल और हवाई यातायात का परिदृश्य बदल रहा है, मैन्यूफैक्चरिंग के कारण रोजगार के नए नए रास्ते खुले हैं। लोगों की औसत आय में 50 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है और सामान्य रूप से यह विमर्श बना है कि देश बदल रहा है, आने वाले समय में दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश आत्मविश्वास से भर रहा है और गौरव से भर रहा है। आज पूरे विश्व में भारत को लेकर सकारात्मकता, आशा, भरोसा बढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर बने माहौल को देखते हुए केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना लगभग तय है। ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन में यह संभावना जताने के साथ ही कहा गया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में जीत ने पार्टी की ताकत को और बढ़ाया ही है। अखबार में हन्ना एलिस पीटरसन की तरफ से लिखे गए कॉलम में कहा गया है कि तीन राज्यों की जीत लोकसभा में भाजपा की संभावनाओं को और मजबूत करने वाली है। यही वजह है कि पीएम मोदी खुद इस विधानसभा चुनावों की जीत को 2024 में जीत की गारंटी बता चुके हैं। लेख में कहा गया है कि विपक्षी दलों की तरफ से कुछ ही माह पहले बनाया गया गठबंध्‍ान इंडिया ब्लॉक भले ही सामूहिक रूप से भाजपा के खिलाफ लड़ने की प्रतिबद्धता जताता रहा हो लेकिन वह अभी भी एकजुट नहीं हो पाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास के पीछे का कारण केवल खोखली राजनीतिक बयानबाजी नहीं है। इसके ठोस कारण हैं। पिछले दस वर्षों में जिस तरह से अलग अलग क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भर हुआ है, उसने यह शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी है। न सिर्फ घरेलू मोर्चे पर भारत की उत्पादकता बढ़ी है बल्कि उसने कई क्षेत्रों में निर्यात भी शुरू किया है। अब से कुछ दशक पहले भारत हर छोटी बड़ी चीज के लिए विश्व के उन देशों का भी मुंह ताकत रहा, जो किसी न किसी तरीके से अपना हित साधने के लिए तमाम अंतरराष्ट्रीय उठापटक के लिए जिम्मेदार होते थे। मोदी सरकार की नीतियों ने ऐसे देशों की शक्ति और वर्चस्व वास्तव में कम की है और भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर विश्व पटल पर खड़ा किया है।

## जमीन विवाद में रिश्वत लेने के मामले में लेखपाल निलंबित

**संवाददाता–बलरामपुर।** भूमि विवाद निस्तारण के नाम पर 30 हजार रुपए रिश्वत लेने व एक आलाधिकारी के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले लेखपाल को निलंबित कर दिया गया। वायरल वीडियो में लेखपाल पैसा लेते दिखा है। आलाधिकारी पर अमर्यादित टिप्पणी करने की बात साफ सुनाई पड़ रही है। तहसीलदार की प्रारंभिक जांच में वायरल वीडियो का दृश्य सच पाए जाने पर तहसीलदार ने लेखपल को निलंबित किया है। उसे रजिस्ट्रार कार्यालय से संबद्ध किया गया है। मामले की विस्तृत जांच नायब तहसीलदार को सौंपी गई है। प्रकरण तुलसीपुर तहसील के पिपरिहा जमुनी गांव का है। पिपरिहा जमुनी निवासी अनीस अहमद ने बताया कि पैतृक जमीन पर वे लगभग 50 वर्ष से काबिज हैं। जमीन पर अन्य लोगों का नाम दर्ज हो गया है। जिसे ठीक कराने के लिए लेखपाल अमरेश सिंह से सम्पर्क किया। अनीस चाहते थे कि वह एसडीएम न्यायालय में बंटवारा दाखिल करें, लेकिन लेखपाल ने उन्हें रोक दिया। कहा कि बंटवारे का फैसला आने में समय लगेगा। जमीन अनीस के नाम दर्ज होने में उनकी एक रिपोर्ट काफी होगी। अनीस का कहना है कि उसके बदले लेखपाल ने उनसे 40 हजार रुपए मांगे थे। लगभग छह माह पूर्व अनीस ने 30 हजार रुपए लेखपाल को दे दिया था। काम न होने पर रुपए वापस मांगे तो लेखपाल ने इंकार कर दिया। अनीस ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना–पत्र देकर अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। रिश्वत देते समय अनीस ने चुपके से वीडियो बना लिया था। काम न बनने पर उसने कुछ दिन पूर्व वीडियो वायरल कर दिया। इस बीच लेखपाल का ट्रांसफर पचपेड़वा ब्लाक के किसी गांव में हो गया है। वीडियो तुलसीपुर एसडीएम अभय सिंह के हाथ लग गई। उन्होंने वायरल वीडियो का सच जानने के लिए तहसीलदार परमेश कुमार से जांच कराई। एसडीएम के मुताबिक लेखपाल अमरेन्द्र सिंह प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। उन्हें बुधवार को निलंबित कर दिया गया। निलंबित अवधि में लेखपाल को रजिस्ट्रार कार्यालय से संबद्ध किया गया है। प्रकरण की विस्तृत जांच नायब तहसीलदार को सौंपी गई।

## निर्माण कार्यों में मिली गड़बड़ी तो होगी कड़ी कार्रवाई

**संवाददाता–श्रावस्ती।** कलेक्ट्रेट में गुरुवार को नीति आयोग, क्रिटिकल गैप्स व त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। डीएम ने निर्माणाधीन विकास कार्यों की समीक्षा की। साथ ही जिम्मेदारों को जरूरी निर्देश दिए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि निर्माणाधीन विकास कार्यों को तेजी से कराकर पूरा कराया जाय। जिसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय। निर्माणाधीन विकास कार्यों में शिथिलता कदापि न बरती जाय और समय सीमा के उनको हर हाल में पूरा किया जाय। सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों, कार्यदायी संस्थाओं के परियोजना प्रबंधकों का दायित्व है कि वे अपने विभागों से सम्बन्धित कराए जा रहे निर्माण कार्यों को मौके पर जाकर देखे और गुणवत्ता की जांच करते रहें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता की जांच टेक्निकल टीम से करायी जाय। यदि कमी मिली तो सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के साथ–साथ सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों पर भी कार्यवाही होगी। समीक्षा के दौरान पता चला कि नीति आयोग के तहत विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से नौ परियोजनाओं पर निर्माण कार्य कराये जा रहे है। जिनमें से कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग, यूपीपीसीएल निर्माण ईकाई–22 बहराइच, प्राविन्शियल को–आपरेटिव निर्माण एवं विकास लिमिटेड की ओर से विभिन्न विभागों के तहत कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण कराते हुए हैण्डओवर कराने का निर्देश दिया। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार यादव, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एसके हरित, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह आदि मौजूद रहे।

## अफवाहों पर न दें ध्यान, बनाए रखें भाईचारा

**संवाददाता–श्रावस्ती।** ज्ञानवापी मामला और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद प्रदेश भर में सतर्कता बरती जा रही है। इसके लिए सभी थानों में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। कोतवाली भिनगा में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में एसपी घनश्याम चौरसिया ने कहा कि समाज के सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि किसी अफवाह में न पड़ें। बल्कि समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखें। माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है और ऐसे लोगों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। समाज में समरसता बनाए रखने में सभी लोग सहयोग करें। इसी तरह से सभी राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों ने अपने–अपने क्षेत्र में पीस कमेटी के सदस्यों, सम्भ्रान्त व्यक्तियों व धर्मगुरुओं के साथ मीटिंग की गयी।

## दवा व्यवसायी ने सरयू नदी में कूदकर दी जान

**संवाददाता–देवरिया।** बुधवार की देर रात बलिया जिले के एक दवा व्यवसायी ने भागलपुर पुल पर अपनी बाइक खड़ा कर सरयू नदी में कूद कर अपनी जान दे दिया। बाइक की जांच में मिले कागजातों के आधार पर पुलिस ने उसके घर वालों को रात को ही सूचना दे दी थी। गुरुवार को दिन में भागलपुर चौकी पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश करायी तो उसका शव मिला। पुलिस शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की देर रात राहगीरों ने भागलपुर चौकी पर सूचना दी कि पुल पर लावारिश हाल में एक अज्ञात बाइक खड़ी है। भागलपुर चौकी प्रभारी सदगुरु मिश्रा, दीवान धर्मेन्द्र यादव ने पुल पर पहुंच कर बाइक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बाइक का डिक्की खोला तो आधार कार्ड, पर्स, मोबाइल और बाइक के कागजात मिले। इसमें पता आशुतोष पाण्डेय (45)पुत्र श्याम नारायण पाण्डेय निवासी देवकली, थाना नगरा, जिला बलिया लिखा मिला। मईल पुलिस ने नगरा थाने से सम्पर्क कर युवक के परिजनों को घटना की सूचना दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि गांव पर मेडिकल की दुकान चलाते हैं। शाम को बिना बताये घर से निकले थे। पुलिस ने रात हो जाने के कारण परिजनों को इंतजार करने को कहा। रात हो जाने के कारण नदी में खोजबीन नहीं हो पाया। गुरुवार की सुबह गोताखोरों के सहायता से पुलिस ने सरयू नदी में आशुतोष के शव की खोजबीन शुरू कराया। कुछ देर की मेहनत के बाद शव मिल गया। शव मिलने के बाद परिजन दहाड़े मार कर रोने लगे। मृतक के तीन पुत्र और एक पुत्री है। सीओ बरहज आदित्य कुमार गौतम ने बताया कि भागलपुर पुल के निचे सरयू नदी में बलिया जिले के एक व्यसायी का शव मिला है। उनके परिजनों ने पहचान आशुतोष पाण्डेय के रूप में किया है।

## सरकार के विकास एजेंडे को लेकर गांव गांव जाएंगे कार्यकर्ता

**संवाददाता–देवरिया।** भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के बाद द्वितीय चरण में भाजपा कार्यकर्ता गांव चलो अभियान के तहत सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों के एजेंडों को गांव–गांव पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान 7 फरवरी से जिले में शुरू है जो चुनाव के समय तक चलेगा। यह बातें जिलाध्यक्ष सिंह ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग डाक बंगले पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की बदौलत केंद्र में पुनः बीजेपी की सरकार बनेगी। किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, गरीबों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को आवास, नारी शक्ति बंदन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ देश व प्रदेश की जनता को मिल रहा है। इससे जनता का विश्वास भाजपा के प्रति दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है। गांव चलो अभियान के तहत केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को भाजपा कार्यकर्ता घर–घर पहुंच बताएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में एम्स की स्थापना गोरखपुर, बंद पड़े फर्टिलाइजर कारखाने को चालू करना, देवरिया में मेडिकल कॉलेज की स्थापना सरकार का ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान ही 500 वर्षों से बहुप्रतीक्षित श्री राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हुआ है। अंत्योदय की योजना का लाभ पात्र तक पहुंच रहा है कि नहीं इसका सत्यापन गांव चलो अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता घर–घर जाकर करेंगे। जिन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिला है उन्हें उसका लाभ दिया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के विधि प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय सह संयोजक एडवोकेट संतोष तिवारी को भारत सरकार के अधिवक्ता पैनल में शामिल होने तथा बरहज नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल जायसवाल के भाजपा में शामिल होने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। लोक निर्माण विभाग डाक बंगले पर गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने माला पहनकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा मिली जिम्मेदारी को बखूबी निर्वहन करूंगा। स्वागत करने वालों में पूर्व सभासद गोविंद चौरसिया, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, निकुंज अग्रवाल आदि शामिल रहे।

## नाबालिग से दुष्कर्म में वांछित 25 हजार रुपये के इनामिया गिरफ्तार

**संवाददाता–देवरिया।** थाना गौरीबाजार में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फरार चल रहा था और उस पर 25 हजार का इनाम था।

गौरी बाजार नगर के रामजानकी नगर वार्ड संख्या 7 निवासी बैजनाथ गुप्ता पुत्र मेवालाल गुप्ता पर धारा 376ध 323ध 504ध 506 भादवि व 3ध4 पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज था। वह केस दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा एनबीडब्लयू की कार्यवाही भी की गयी थी। जिसके बाद भी अभियुक्त बैजनाथ गुप्ता फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर के नेतृत्व में थाना गौरीबाजार पुलिस टीम ने रेलवे पश्चिमी ढाला के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

## दक्ष व जिम्मेदार अधिकारियों को ही बनाएं मास्टर ट्रेनर्स –डीएम

**संवाददाता–बहराइच।** आगामी लोकसभा चुनाव का लेकर प्रशासन चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है। डीएम मोनिका रानी ने कलेक्ट्रेट में निर्वाचन व्यवस्थाओं की समीक्षा किया। कहा कि दक्ष व जिम्मेदार अधिकारियों को ही मास्टर ट्रेनर्स की जिम्मेदारी सौंपे। हर कार्य के लिए अलग–अलग प्रश्नोत्तरी प्रारूप में पीपीटी तैयार करने के साथ ही क्रिटिकल व वरनेबुल बूथों की समय से सूची उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

डीएम ने सकुशल निर्वाचन प्रकिया निपटाने के लिए मतदान कार्मिक, इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, यातायात, प्रशिक्षण, लेखन सामग्री, प्रेक्षक व्यवस्था, निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण, डाक मतपत्र, वेबकास्टिंग, सूचनाओं का आनलाईन प्रेषण, निर्वाचन कन्ट्रोल रूम, बैरीकेटिंग, प्रकाश, वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी, एमसीएमसी, निर्वाचन प्लान, मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त किये गये प्रभारी अधिकारियों जानकारी ली। कहा कि निर्वाचन के सम्बन्ध में सौपी गयी जिम्मेदारियों को पूरा करने में अपने–अपने अनुभवों का भी लाभ उठायें।

सीडीओ व एडीएम को दक्ष व जिम्मेदार अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर्स बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक को जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों, मतदान कार्मिकों व निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए गठित के प्रशिक्षण के बंदोबस्त के निर्देश दिए। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को चेक–लिस्ट देकर क्षेत्र का भ्रमण कराकर पोलिंग स्टेशनों पर मूलभूत सुविधाओं, क्षेत्र की संवेदनशीलता, ईपिक की स्थिति इत्यादि के बारे में जानकारी भी प्राप्त कर सकें। एसपी वृन्दा शुक्ला ने कहा कि सभी एसडीएम व सीओ संयुक्त रूप से स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर वनरेबुल व क्रिटीकल बूथों की सूची उपलब्ध कराये ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव ने किया। सीडीओ रम्या आर, सीआरओ देवेन्द्र पाल सिंह, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, एसडीएम मोतीपुर संजय कुमार, महसी के राकेश कुमार मौर्या, कैसरगंज के पंकज दीक्षित व पयागपुर दिनेश कुमार, डीडीओ महेन्द्र कुमार पाण्डेय, पीडी डीआरडीए राज कुमार, डीडी कृषि टीपी शाही, बीएसए अव्यक्तराम तिवारी, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा मौजूद रहे।

## अधिक मामलों को चिन्हित करें न्यायिक अधिकारी –जिला जज

**संवाददाता–देवरिया।** जिले में नौ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जनपद न्यायधीशध अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह ने सभी न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने सभी न्यायधीशों से लोक अदालत के लिए अधिक से अधिक मामलों को चिह्नत करने को कहा।

जनपद न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत की मंशा तभी सफल होगी, जब इसमें अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण किया जाय। यह तभी संभव होगा, बक अधिक से अधिक वादों को चिह्नत कर इसमें शामिल किया जाय। सभी सम्बन्धित मामलों में पक्षकारों को नोटिस भेजा जायें तथा संबंधित थानों से नोटिसों को समय के अंदर तामिला कराने हेतु निर्देशित किया जायें।

सचिव/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार दूबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मार्च को होना है, जिसमें अन्य वादों के अलावा विशेषतः विशिष्ठ विषय–अपराधिक शमनीय वाद, 138 धारा पराक्रम लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, विद्युत एवं जल, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद सर्विस में वेतन एवं भत्ते सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद अन्य सिविल वादों (किराया, सुखाधिकार, व्यायादेश विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि के लम्बित मामलें एवं प्री–लिटिगेशन विवादों का भी निस्तारण पक्षकारों के आपसी सुलह समझौते के आधार पर किया जायेगा।

## अबकी बार क्रय केंद्रों पर भी पंजीयन करा सकेंगे अन्नदाता

**संवाददाता–बहराइच।** अबकी बार गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी की गई है। किसान केंद्रों पर 2275 रुपये की दर से गेहूं की उपज ही नहीं बेच सकेंगे बल्कि जनसुविधा केंद्रों के बजाए केंद्र प्रभारी से ही पंजीयन भी करा सकते हैं। किसानों की सहूलियतों को लेकर सरकार की ओर से यह कदम उठाया गया है, ताकि पंजीयन कराने के लिए किसानों को दौड़ना व जेब ढीली न करना पड़े जिले में एक मार्च से गेहूं खरीद की कवायद प्रस्तावित है। इसके लिए विभिन्न एजेंसियों के 145 क्रय केंद्र खोले गए हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बंपर गेहूं पैदावार को देखते हुए विपणन विभाग शत–प्रतिशत किसानों का पंजीयन समय से कराने का लेकर जुटा हुआ है। सरकारी ओर से भी जिन केंद्रों पर किसानों की ओर से धान की उपज बिक्री की गई है उन्हीं केंद्रों पर केंद्र प्रभारियों को गेहूं बिक्री किए जाने के लिए किसानों के पंजीयन की जिम्मेदारी भी सौंपी है। विपणन निरीक्षक देवेन द्विवेदी ने बताया कि किसान पूर्व की तरह जरूरी अभिलेख लेकर केंद्र पर आकर पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रति कुंतल 150 रुपये समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है। संजीव कुमार सिंह, डिप्टी आरएमओ ने कहा कि एक मार्च से संभावित गेहूं खरीद का लेकर 145 क्रय केंद्र खोले गए हैं। किसान अपने केंद्रों पर पहुंचकर पंजीयन करा लें, ताकि उपज बिक्री करने में कोई दिक्कत न हो।

## सभी थानों में गठित की गई दंगा रोधी टीम, दिया गया प्रशिक्षण

**संवाददाता–श्रावस्ती।** बलवा व दंगों से निपटने के लिए पुलिस पूरी तैयारी कर रही है। अब सभी थानों में एक टीम 24 घंटे तैयार रहेगी और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच जाएगी। इसके लिए सभी थानों में क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। टीम के लोगों को पुलिस लाइन में प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया गया है। ज्ञानवापी मामला और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को लेकर प्रदेश का माहौल खराब करने के इनपुट के बाद प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग को सतर्क कर दिया है। इस पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सभी थानों में दंगा रोधी टीम का गठन किया गया है। पुलिस थानों में सात पुलिस कर्मियों की टीम 24 घंटे तैयार रहेगी और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर दंगा रोकेगी। क्विक रिस्पांस टीम यानी क्यूआरटी के सिपाहियों को दंगा रोकने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। गुरुवार को पुलिस लाइन में टीम के सिपाहियों को दंगा और बलवा रोकने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अलग अलग टीम के सिपाही मौजूद रहे। जिसमें एलआईयू, नागरिक पुलिस, घुड़सवार, फायर सर्विस, आंसू गैस, लाठी टीम, रिजर्व पार्टी, प्राथमिक उपचार पार्टी और वीडियोग्राफी पार्टी के जवान शामिल रहे। एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि सभी थानों में टीम अलर्ट मोड में 24 घंटे तैनात रहेगी। सूचना मिलते ही जवान गाड़ी से मौके पर पहुंच जाएंगे। गुरुवार को आयोजित प्रशिक्षण में एसपी, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सभी सीओ तथा 250 सिपाही शामिल हुए। हरदत्त नगर गिरंट थाने में गुरुवार को थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने क्यूआरटी टीम का गठन कर क्षेत्र के सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि परिक्षेत्र में हर वक्त यह टीम तैयार होकर हाई एलर्ट रहेगी। दंगाईयों व अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि एसपी के दिशा निर्देश पर क्विक रिस्पांस टीम गठित की गई है।

## आम आदमी को स्वावलंबी बनाता है विश्वकर्मा एप

**संवाददाता–श्रावस्ती।** बेरोजगारों को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार की ओर से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत गुरुवार को जमुनहा ब्लाक में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें रोजगार का तरीका बताया गया। भारत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय के तत्वावधान में गुरुवार को जमुनहा ब्लाक सभागार में बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक निदेशक रीतेश बरनवाल ने सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की विस्तर से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा एप के माध्यम से सरकार आम आदमी को स्वावलंबी बनाने के लिए कार्यकम चला रही है। इसके तहत रोजगार पाने के इच्छुक युवा अपना आवेदन आनलाइन माध्यम से कर सकते है। आवेदन के बाद युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे वे अपना रोजगार खुद स्थापित कर सकते हैं। रोजगार के लिए सरकार बैंकों से कर्ज दिलाने में भी मदद करेगी। इस मौके पर वीके राणा, रणवीर सिंह, राम कुमार वर्मा, वीरेन्द्र सिंह, प्रहलाद सिंह, रोहित गुप्ता, आलोक वर्मा, शिव सागर, रंगी लाल मौर्या, वारिश अली आदि मौजूद रहे।

## अध्यक्ष घोषणा कर कार्यकारिणी घोषित करना भूली भाजपा

**संवाददाता–गोण्डा।** जिलाध्यक्ष की घोषणा कर भाजपा नई कार्यकारिणी की घोषणा करना ही जैसे भूल गई है। अध्यक्ष घोषणा किए लगभग पांच माह बीत चुके हैं लेकिन अब तक नई कार्यकारिणी घोषित नहीं की गई है। यह स्थिति तब है जबकि लोकसभा चुनाव सिर पर आ गया है। वैसे जिलाध्यक्ष कार्यकारिणी घोषित न होने से संगठन का कोई काम बाधित न होने का दावा कर रहे हैं। भाजपा ने 15 सितम्बर 2023 को अमर किशोर कश्यप उर्फ बमबम को दोबारा नया जिलाध्यक्ष बनाने की घोषणा की थी। पार्टी सूत्रों की मानें तो नए अध्यक्ष के साथ नई कार्यकारिणी भी होनी चाहिए। पुराने कार्यकारिणी में लगभग 25 प्रतिशत तक का बदलाव किया जा सकता है। वहीं 33 मंडलों वाले जिले में मंडल अध्यक्षों में भी बदलाव होना चाहिए लेकिन इसके बावजूद भी नई कार्यकारिणी घोषित नहीं की गई। लोकसभा चुनाव सन्निकट होने के कारण नई कार्यकारिणी को लेकर पार्टी पर दबाव भी है। लोकसभा चुनाव तैयारी में सबसे आगे नजर आ रही पार्टी पुरानी कार्यकारिणी के सहारे ही संगठन के कार्य को आगे बढा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने बताया कि अभी प्रदेश व क्षेत्र से इस संबंध में कोई भी रिपोर्ट नहीं मांगी गई है। क्षेत्र की टीम की भी घोषणा नहीं की गई है। अगर वहां से नई कार्यकारिणी के बारे में कोई भी प्रस्ताव मांगा जाता है तो तुरंत भेजा जाएगा। वैसे पुरानी कार्यकारिणी पार्टी द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों को पूरा कर रही है। पार्टी के सभी कार्यक्रमों को जनता के बीच चलाया जा रहा है।

## आंगनबाड़ी वर्करों को दिया फीडिंग का प्रशिक्षण

**संवाददाता–गोण्डा।** हॉट कुक्ड योजना लागू नहीं होने के डेढ़ माह बाद भी फीडिंग नहीं होने से चिंतित विभागीय अधिकारियों ने आंगनबाड़ी वर्करों को प्रशिक्षण दिलाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को मुजेहना ब्लॉक में प्रशिक्षण दिया गया।

शासन के निर्देश पर एक बार फिर से 24 नवंबर को हॉट कुक्ड योजना लागू कर दी गई है। योजना के तहत अब परिषदीय स्कूलों की तरह आंगनबाड़ी केंद्रों पर पढ़ने वाले तीन से छह साल तक के बच्चों को पका–पकाया भोजन दिया जा रहा है। फीडिंग नहीं होने से आने वाले समय में संबधित केंद्रों पर योजना पर ग्रहण लग सकता है। जिसको लेकर विभाग में खलबली मच गई है। इसको लेकर प्रशिक्षण कराने पर जोर दिया जा रहा है। सीडीपीओ मुजेहना अभिषेक दूबे बताते हैं कि यह योजना पहले चल रही थी लेकिन बंद हो गई थी। अब एक बार फिर से 24 नवंबर से योजना का संचालन हुआ है। बताया कि तकरीबन डेढ़ माह बीत गए हैं लेकिन इसकी फीडिंग पोषण ट्रैकर एप पर वर्करों की ओर नहीं हो रही थी। जिससे ऐसे में आने वाले समय समस्या हो सकती है। इसको लेकर गुरुवार को मुजेहना ब्लॉक क्षेत्र में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को फीडिंग के संबंध में मुख्य सेविका अंकिता श्रीवास्तव व गरिमा राजन ने प्रशिक्षण दिया गया है।

## त्याग, तपस्या वैराग्य की प्रतिमूर्ति स्वामी बालमुकुंद दास –जयराम दास

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट के पूर्वाचार्य स्वामी बालमुकुंद दास शास्त्री महाराज को संतों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अवसर उनके 29वीं पुण्यतिथि का था। जो शुक्रवार को मंदिर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सभा में अयोध्याधाम के विशिष्ट संत–महंतों एवं धर्माचार्यों ने पूर्वाचार्य महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही साथ उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम मंदिर में विराजमान बिहारिणी–बिहारी जू का भोग, पूजन–अर्चन, आरती हुआ। उसके बाद पूर्वाचार्य के चित्रपट पर माल्यार्पण, पूजन–अर्चन, भोग लगाकर आरती उतारी गई। इसके अलावा अन्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। तदुपरांत संत–महंत, भक्तगणों ने भोजन प्रसादी ग्रहण किया। अंत में पधारे हुए संत–महंत, धर्माचार्यों एवं विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार किया गया। इस अवसर पर श्रीरामाश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर

महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने कहा कि पूर्वाचार्य महंत भजनानंदी संत होने के साथ–साथ गौ और संत सेवी रहे। वह त्याग, वैराग्य व तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। साधुता तो उनमें देखते ही झलकती थी। उनकी भगवान श्रीसीताराम के प्रति अटूट भक्ति रही है। वह श्रीसीताराम के अनन्य उपासक थे। उनके बारे में जितना कहा जाए वह कम ही होगा। पूर्वाचार्य हम लोगों के बीच में नही हैं। लेकिन उनकी यश और कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। उन्होंने अयोध्यानगरी में एक विशाल आश्रम का कार्यभार संभाला। आजीवन मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। जहां गौ, संत, विद्यार्थी व अतिथि सेवा सुचार रूप से चल रही है। पुण्यतिथि पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्रीरामवल्लभाकुंज अधिकारी राजकुमार दास, सीताकांत सदन के महंत रामानुज शरण, सरयूकुंज पीठाधीश्वर महंत राममिलन शरण, श्रीरामकृष्ण मंदिर के पीठाधिपति महंत गणेशानंद दास, श्रीरामप्रिया कुंज महंत उद्धव शरण, गोविंद आश्रम के महंत वीरेंद्र दास, स्वामी गयाशरण, प्रियेश दास, विक्रमा प्रसाद पांडेय, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, राजेंद्र सिंह, रामानंद सिंह कपींद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

## नेपाल कस्टम के खिलाफ आक्रोश, आंदोलन की तैयारी

**संवाददाता–महराजगंज।** नेपाल भैरहवा कस्टम भारत से 100 रुपये से अधिक का सामान ले जाने पर शुल्क वसूल रहा है। इसके कारण सीमावर्ती भारतीय बाजारों पर असर पड़ रहा है। नेपाल कस्टम की ओर से इसके बारे में नोटिस चस्पा करने के साथ ही उद्घोषणा भी कराई गई है। इससे भारतीय सीमा के व्यापारी काफी परेशान हैं। दुकान का किराया समेत बैंक का कर्ज जमा करने में परेशानी हो रही है। कारोबारी नेपाल कस्टम के खिलाफ आंदोलन की तैयारी बना रहे हैं। नौतनवा तहसील व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने बताया कि नेपाल भैरहवा कस्टम के रवैये के कारण सीमावर्ती भारतीय बाजारों पर असर पड़ रहा है। हजारों लोगों की रोजी–रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। इसके लिए भारतीय प्रशासन से मुलाकात कर अपनी बताई जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि भारतीय प्रशासन के सहयोग से अगर व्यापारियों को राहत मिल जाएगी तो ठीक नहीं तो नेपाल के बेलेहिया कस्टम के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।बृहस्पतिवार दोपहर सोनौली कस्बे के कई सामाजिक संगठनों के साथ व्यापारियों ने बैठक कर आगे की रणनीति तय की। संजीव जायसवाल, कृपा शंकर मद्देशिया, जय सिंह, कन्हैया साहू ने कहा कि वित्तमंत्री का महराजगंज में आगमन होने वाला है। उनसे भी मुलाकात कर इस समस्या से अवगत कराया जाएगा। अखिल भारतीय वैश्य महासभा के जिलाध्यक्ष सुधाकर जायसवाल ने कहा कि इस मामले को लेकर वैश्य समाज सोनौली के व्यापारियों के साथ है। भारत सरकार को इस मामले में दखल देकर हल निकालना होगा।

## समूल व्याधियों की नाशक है देवी भागवत कथा -शास्त्री

**संवाददाता–गोण्डा।** जिस प्रकार सूर्य के प्रकाश के सामने अंधकार छंट जाता है, उसी प्रकार देवी भागवत् पुराण के श्रवण से मनुष्य के सभी कष्ट, व्याधियां और संकोच समाप्त हो जाते हैं। ये बातें आचार्य कौशलेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सात दिवसीय कथा में प्रवचन के दौरान कही। हलधरमऊ ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोनहरा के मजरे शिवानगर गांव में दक्षिणी माता देवी स्थान के प्रांगण में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। कथा व्यास ने कहा कि एक बार भगवत्–अनुरागी तथा पुण्यात्मा महर्षियों ने महर्षि वेदव्यास के शिष्य सूतजी से प्रार्थना कि– हे ज्ञानसागर ! आपके श्रीमुख से विष्णु भगवान और शंकर के देवी चरित्र तथा अद्भुत लीलाएं सुनकर हम बहुत सुखी हुए। अब कृपा कर मानव जाति को आत्मिक शक्ति देने वाले तथा भोग और मोक्ष प्रदान कराने वाले पवित्रतम पुराण आख्यान सुनाकर अनुगृहीत कीजिए। इस पर सूतजी ने कहा कि जन कल्याण की लालसा से आपने बड़ी सुंदर इच्छा प्रकट की। मैं आप लोगों को उसे सुनाता हूं। यह सच है कि श्री मद् देवी भागवत् पुराण सभी शास्त्रों तथा धार्मिक ग्रंथों में महान है।

# अयोध्या में बनने वाली मस्जिद होगी दुनिया में खास

**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या में 5 एकड़ जमीन पर बनने वाली मस्जिद के लिए मक्का से पवित्र ईंट भारत लाई गई है। इस ईंट को मक्का शरीफ और मदीना शरीफ में आबे जम–जम और इत्र से गुस्ल कराया गया है। इसे 29 फरवरी को मुंबई के एक कार्यक्रम में रखा जाएगा। इसके बाद अजमेर शरीफ ले जाया जाएगा। मस्जिद बनाने का काम ईद के बाद अप्रैल में शुरू होने की उम्मीद है। मस्जिद की खूबसूरती को लेकर चर्चा है कि यह ताजमहल से भी ज्यादा खूबसूरत होगी। असमें एक साथ 9 हजार लोग नमाज अदा कर सकेंगे। मस्जिद की नींवध मक्का से आई पवित्र काली ईंट से रखी जाएगी। यह निर्माण में इस्तेमाल होने वाली पहली ईंट होगी। 12 अक्टूबर, 2023 को ऑल इंडिया राब्ता–ए–मस्जिद के कार्यक्रम में इस पवित्र काली ईंट का अनावरण किया गया था। इसके बाद मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन अरफात शेख इसे मक्का लेकर गए थे। मक्का में ईंट को पवित्र जल आबे जम–जम से गुल्स कराया गया, फिर ईंट को मदीना लेकर गए और इत्र से भी गुस्ल कराया। इसके बाद पवित्र ईंट को भारत वापस लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अरफात शेख ने बताया कि यह भारत की पहली ऐसी मस्जिद होगी, जिसमें इस्लाम के पांच स्तंभ की पांच मीनार होंगी। इस्लाम के पांच स्तंभ बताए गए हैं, ये तौहीद नमाज, रोजा, जकात और हज हैं। तौहीद का मतलब है एक अल्लाह को मानना और उसकी इबादत करना। दूसरा एक दिन में 5 टाइम नमाज अदा करना। तीसरा साल में एक बार रमजान के महीने में रोजे रखना। चौथा जकात है, जिसका मतलब है कि आर्थिक रूप से संपन्न मुस्लिम सक्षम मुसलमानों को दान करें। पांचवां हज है। आर्थिक और शारीरिक रूप से सक्षम मुसलमानों पर हज फर्ज है। अपनी पूरी जिंदगी में एक बार हज करना मुसलमानों के लिए जरूरी है। अयोध्या में बनने वाली मस्जिद की कुरान दुनिया की सबसे बड़ी कुरान होगी, जो 21 फीट ऊंची और 36 फीट चौड़ी होगी। खास बात यह है कि इसका रंग केसरिया होगा। मुसलमान केसिरया को सूफी संत चिश्ती का रंग मानते हैं।

# पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर शिकंजा कसा, कुर्की के लिए दो टीमें लखनऊ और महाराजगंज रवाना

**संवाददाता–बस्ती।** पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर अदालती शिकंजा और कस गया है। अदालत में हाजिर नहीं होने पर भगोड़ा घोषित होने के बाद संपत्तियों को कुर्क करने के लिए दो टीमें लखनऊ और महाराजगंज के लिए रवाना हो गई हैं। बहुचर्चित राहुल मद्धेशिया अपहरण मामले में फरार पूर्वमंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर शिकंजा कस गया है। उनकी सम्पत्तियों को कुर्क करने के लिए पुलिस सक्रिय हो गई है। लखनऊ व महराजगंज की संपत्तियों को कुर्क करने के लिए गुरुवार को दो टीमें रवाना हो गई हैं। एसपी ने कमिश्नरेट लखनऊ और डीएम महाराजगंज को 83 की कार्रवाई में सहयोग के लिए पत्र लिखा है। इस मामले कोर्ट में नौ फरवरी को सुनवाई है। एमपी–एमएलए कोर्ट ने अपहरण के केस में फरार आरोपी अमरमणि की संपत्ति की कुर्की के लिए ढाई महीने पहले ही आदेश दिया था।

मामले की विवेचना करने वाली कोतवाली पुलिस ने आरोपी के आवास पर जाकर कुर्की नोटिस चस्पा कर इसकी प्रक्रिया आरंभ कर दी थी। फरार आरोपी के सम्बंध में पुलिस ने अखबारों में इश्तहार भी प्रकाशित करवाया है। एसपी बस्ती ने कुर्की के लिए चल–अचल संपत्तियों के आकलन के लिए पांच टीमें गठित कर उनकी संभावित संपत्तियों वाले ठिकानों गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ में भेजकर संपत्ति का ब्योरा जुटाया था।

महराजगंज के नौतनवा में एक मकान और लखनऊ के विक्रांत खंड में 450 वर्गमीटर भूखंड जिसकी कीमत एक करोड़ 18 लाख 80 हजार रुपये आकी गई। सप्तम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमपी–एमएलए प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने 30 जनवरी 24 की सुनवाई में आदेश किया था कि अमरमणि की सम्पत्तियों का पूरे देश में पता लगाया जाए। फिलहाल पुलिस ने दो जनपदों में मिली संपत्तियों को कुर्क करने की तैयारी शुरु कर दी है।

# बुजुर्ग का गुप्तांग काटने के आरोपी पिता–पुत्र भेजे गए जेल

**संवाददाता–गोरखपुर।** गुलरिहा क्षेत्र के जंगल एकला नंबर दो में 60 वर्षीय बुजुर्ग का गुप्तांग काटने के आरोपी पिता–पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। उधर मेडिकल कालेज में इलाजरत बुजुर्ग को चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

थाना क्षेत्र के जैनपुर टोला दयानगर नगर निवासी रामअधारे प्रजापति सोमवार की रात लगभग 11 बजे लघुशंका के लिए घर से बाहर गए थे। आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर भाई बुद्धू और भतीजा विनोद ने बुजुर्ग की पिटाई करने के बाद उसका प्राइवेट पार्ट काट दिए।

पीड़ित की पत्नी दुर्गावती की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस सगे भाई व भतीजे के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही थी। गुरुवार की सुबह दोनों आरोपित पिता–पुत्र को पुलिस ने उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

# राजन क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। गुरूवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय के निर्देशन में प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने राजन क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन किया। बताया कि क्रिकेट के खिलाड़ी जनपद के चाहे जिस विद्यालय के हो इस मैदान पर खेल सकेंगे और कोच की सुविधा भी उपलब्ध करायी जायेगी। कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने बताया कि निदेशक राकेश चतुर्वेदी ने ऐसा अनुभव किया कि अनेक क्रिकेट के खिलाड़ियों को खेल का मैदान और कोच नहीं मिल पाते। अब ऐसे खिलाड़ी नियमानुसार खेल के मैदान का उपयोग कर बेहतर खिलाड़ी बन सकेंगे।

उदघाटन अवसर पर कोच

### -किसी भी विद्यालय के क्रिकेट खिलाडी छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण का मौका-सानू एन्टोनी

संजय यादव ने बताया कि प्रबन्धन की पहल सराहनीय है और उनका पूरा प्रयास होगा कि राजन क्रिकेट एकेडमी से राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकले। इस निर्णय से क्रिकेट खिलाड़ियों में प्रसन्नता है। लगभग 80 छात्र–छात्राओं को क्रिकेट के हुनर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से वेद प्रकाश पाण्डेय, जितेन्द्र यादव, मनीष मिश्र, दिग्विजय यादव, सौरभ पाण्डेय, राम स्वरूप यादव के साथ ही बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

# मां ने ढाई महीने की बच्ची का रेता गला, पिता बोला-प्रेतात्मा करवा रही

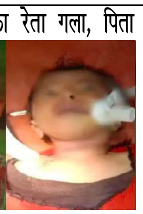

**संवाददाता–बस्ती।** ` एक गांव में महिला ने अपनी ढाई महीने की बच्ची का गला रेत दिया। पिता बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। मामला बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के परसपुर दुबौली गांव का है। गुरुवार यानी 8 फरवरी को सुबह महेंद्र की पत्नी अपनी ढाई साल की बेटी का गला रेत दिया। बच्ची को तड़पता देख महेंद्र बेटी को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर इलाज करने लगे। बच्ची के गले में टांका लगाकर किसी तरह से उसकी जान बचाई। अभी मासूम की हालत गंभीर बनी हुई है। जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मासूम के पिता महेंद्र ने बताया कि यह बुरी आत्मा की वजह से हुई है। महेंद्र का कहना है कि उनके घर के अंदर बहुत दिनों से एक प्रेत आत्मा रहती है। जबसे उसकी बेटी का जन्म हुआ है तब से उस आत्मा ने पत्नी के माध्यम से बेटी को घर के बाहर फेंक दिया था। तब से लगातार वह आत्मा उसकी पत्नी पर सवार होकर कई बार बेटी पर हमला कर चुकी है। महेंद्र ने बताया कि इस बुरी आत्मा से निजात पाने के लिए बालाजी दर्शन करने भी गया। वहां से लौट कर आने के बाद आत्ध्मा से कुछ दिन तक पीछा छूट रहा। अचानक फिर से वह आत्मा उकसी पत्नी पर सवार हुई। बेटी की हत्या करने की कोशिश की। महेंद्र ने यह भी बताया कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह बहुत दिनों से बीमार हैं। किसी बुरी आत्मा ने उसकी पत्नी को जकड़ लिया है। पत्नी के इलाज के लिए वह डॉक्टरों से लेकर ओझा–तांत्रिक तक को दिखा चुके हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

# चुनाव को लेकर एल्डर्स कमेटी की बैठक

**संवाददाता–गोरखपुर।** बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के एल्डर्स कमेटी की एक आवश्यक बैठक गुरुवार को देर शाम पांच बजे कमेटी के चेयरमैन राधेश्याम पांडेय की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के वर्तमान चुनाव में नामांकन करने वाले प्रत्येक प्रत्याशियों 10 फरवरी दोपहर 12 बजे तक एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन के समक्ष विस्तृत विवरण के साथ इस आश्य का घोषणा पत्र प्रस्तुत करें कि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक मुकदमा पंजीकृत है या नहीं, उनका ट्रायल हुआ है या नहीं अथवा उनकी किसी न्यायालय से कोई सजा हुई है या नहीं।

यह भी निर्णय लिया गया कि बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट का जिस नियमावली से जिस प्रकार अभी तक चुनाव होता आया है वर्तमान चुनाव भी उसी प्रकार संपन्न कराया जाएगा। साथ ही साथ यह भी निर्णय लिया गया कि उपरोक्त घोषणा पत्र प्रस्तुत करने हेतु बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट का कार्यालय 10 फरवरी दिन शनिवार को भी खुला रहेगा। बैठक में एल्डर्स कमेटी के सदस्य महेंद्र प्रताप सिंह, नरसिंह शर्मा, शंभूनाथ दूबे, कमल शंकर पति त्रिपाठी, डॉ. सुभाष शुक्ल, सतीश कुमार द्विवेदी, एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय एवं मंत्री धीरेंद्र कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे।

# पुलिस लाइंस में सीसीटीवी कैमरों का होगा कंट्रोल रूम, हर गतिविधि पर रहेगी नजर

**संवाददाता–गोरखपुर।** ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत शहर से लेकर देहात तक सार्वजनिक जगहों पर लगाए गए सीसी टीवी कैमरों का कंट्रोल रूम पुलिस लाइंस में होगा। इसकी स्थापना के बाद पुलिस एक जगह बैठकर ही पूरे शहर में होने वाले सभी गतिविधियों की निगरानी कर सकेगी। इसके अलावा अगर कहीं पर भी कोई संदिग्ध नजर आएगा तो कंट्रोल रूम तत्काल नजदीक मौजूद पुलिस वाले को इसकी जानकारी देकर जांच भी करा लेगी। वहीं, कैमरों के रखरखाव के लिए गवर्निंग कमेटी ने एक बैंक खाता भी खोल दिया, जिसे नगर निगम, जीडीए और आम लोगों की मदद से चलाया जाएगा। इस फंड में आने वाले रुपयों का इस्तेमाल सीसी टीवी कैमरों के रख–रखाव के लिए किया जाएगा। यह जानकारी एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एक बैठक के बाद दी। वह बुधवार को पुलिस लाइंस में सीसी टीवी कैमरे के लिए गठित गवर्निंग कमेटी के साथ बैठक की। इस दौरान यह

सभी फैसले लिए गए हैं। एसपी सिटी ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत पुलिस ने शहर से लेकर देहात तक सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। इसकी निगरानी के लिए एक कमेटी भी गठित की गई है। कमेटी में एसएसपी, जीडीए उपाध्यक्ष और नगर आयुक्त को संयोजक बनाया गया है।

कैमरा लगवाने में विशेष सहयोग करने वाले व्यापारियों को कमेटी में सह संयोजक बनाया गया है। पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि जन सहयोग से कैमरों का रखरखाव करें। दरअसल, एडीजी रहे अखिल कुमार की पहल पर जनसहयोग से शहर की गलियों, मुख्य मार्ग व चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए। इस मुहिम की शुरूआत ऑपरेशन त्रिनेत्र के नाम से की गई थी। इसका असर है कि शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में सीसीटीवी कैमरे लग गए हैं। पुलिस इसकी मदद से वारदात का पर्दाफाश भी कर रही है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि सुरक्षा व अपराध नियंत्रण के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र चलाया जा रहा है। इसको प्रभावशाली व जनोपयोगी बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। इस अभियान की मॉनिटरिंग के लिए गवर्निंग कमेटी गठित है। जो इस पर नजर रखेगी और हर तीन महीने पर कैमरों की स्थिति की समीक्षा करने के बाद जरूरत के मुताबिक मरम्मत कराएगी। इसे लेकर अब खाता खुलवा दिया गया है। शहर के तकरीबन सभी प्रवेश मार्ग पर सीसी टीवी कैमरे लगवा दिए गए हैं। लेकिन, जहां पर भी कम है, वहां पर पुलिस आम लोगों के सहयोग से कैमरे की संख्या बढ़ाने या नया लगवाने का काम करेगी। जल्द ही कंट्रोल रूम पूरी तरह से क्रियाशील हो जाएगा।

# मौनी अमावस्या को लेकर रामनगरी में उमड़ने लगी भीड़, पांच लाख लोगों के आने की उम्मीद

**संवाददाता–अयोध्या।** रामनगरी में मौनी अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। अमावस्या पर प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं का रेला अयोध्या स्नान करने के लिए उमड़ता है। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान दान का महत्व है। इसी मान्यता के चलते लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या पहुंचकर सरयू में स्नान करते हैं और विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन करते हैं। अयोध्या में इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रामलला के दर्शन के लिए रोजाना करीब दो लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं।

मौनी अमावस्या के पर्व पर शुक्रवार को करीब 5 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसको देखते हुए रामनगरी में यातायात डायवर्जन लागू कर दिया गया है। चार पहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित है। सरयू के घाटों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लोगों को गहरे पानी मे जाने से सचेत किया जा रहा है।

# हरिहरपुर में भेजा जा रहा खलीलाबाद से कूड़ा

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले के खलीलाबाद शहर से प्रतिदिन निकलने वाला लगभग दस टन कचरा हरिहरपुर नगर पंचायत के खड़ौहा उर्फ गेरुई में डंप हो रहा है। एमआरएफ सेंटर के लिए जमीन न मिल पाने की वजह से यहां के कचरे को हरिहरपुर में भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि गेरुई में काफी नीचा स्थान है, जिसे कचरे से पाटा जा रहा है। खलीलाबाद नगरपालिका क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण के लिए एमआरएफ सेंटर बनाया जाना है, इसके लिए पालिका जमीनों की तलाश कर रही है। जमीन न मिलने की वजह से एमआरएफ सेंटर नहीं बन पा रहा है। अभी तक बेलवनियां में एक एमआरएफ सेंटर बना है उसमें शहर के पांच वार्डों का कूड़ा निस्तारित हो रहा है। नगर पालिका से निकलने वाले कूड़े को निस्तारित करने के लिए शहर के बेलवनियां में एक छोटा संयंत्र लगाया गया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत लगने वाले इस संयंत्र में शहर के पांच वार्डों का कूड़ा यहां पर भेजा जाता है। बेलवनियां में शास्त्रीनगर, गोला बाजार, बंजरिया, मोतीनगर और पुरानी तहसील वार्ड का कूड़ा निस्तारित किया जाता है। यहां पर गीला कूड़ा और सूखा कूड़ा अलग किया जाता है। इससे वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार होने के साथ ही प्लास्टिक के कचरे अलग किए जाते हैं। अब सभी वार्डों का कूड़ा का निस्तारण के लिए बड़ा संयंत्र लगाया जाना है। इसके लिए जमीनों की तलाश की जा रही है। जमीन न मिलने की वजह से अभी तक संयंत्र निर्माण की पत्रावली आगे नहीं बढ़ पा रही है। शहर में कहीं पर कूड़ा डंप करने की जगह नहीं बची है। अंतत बगल की नगरपंचायत हरिहरपुर के खड़ौहा उर्फ गेरुई में यहां से कूड़ा भेजा जा रहा है। इसके लिए शहर के इंडस्टियल एरिया में शवदाह गृह के पास कूड़ा रखा जाता है और वहां से गेरुई के लिए भेज दिया जाता है।

शहर का इंडस्ट्रियल एरिया भी डम्पिंग सेंटर बन गया। जो दिक्कतों का कारण भी बन रहा है। नगर पालिका के सूत्रों का कहना है कि शहर के अन्य 20 वार्डों के कूड़े को पहले इंडस्ट्रियल एरिया में डम्प किया जाता है। उसके बाद यहां से हरिहरपुर भेजा जाता है। इंडस्ट्रियल एरिया में डम्प हो रहे कूड़े से आस पास के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कूड़े से उठने वाली बदबू के चलते यहां के लोगों का रहना दुष्कर हो जाता है। इंडस्ट्रियल एरिया में डम्प हो रहे कूड़े को लेकर आस पास के लोगों ने कई बार इस समस्या को उठाया। यहां कूड़ा डम्प होने से रोकने की मांग की। लेकिन इस मांग पर कोई सुनवाई नहीं हुई। चेयरमैन नगरपालिका जगत जायसवाल ने कहा कि बड़ा एमआरएफ सेंटर बनाने के लिए एक हेक्टेयर जमीन की दरकरार है। जमीन जब तक नहीं मिल पा रही है तब तक के लिए हरिहरपुर के खड़ौहा में कूड़ा रखा जा रहा है। एमआरएफ सेंटर बनने के बाद यहीं पर उसका निस्तारण होने लगेगा।

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 63/2023
इन्सान अली
बनाम
इन्द्र प्रताप सिंह आदि

1. इन्द्र प्रताप सिंह पुत्र जगतनरायन सिंह निवासी अन्देवरी तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 2. श्रीमती मिश्र उर्फ मिश्री देवी पत्नी कन्हैया निवासी रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 07–03–2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 1023/2022
रफातुल्लाह
बनाम
मो0 हद्दीश आदि

1. मो0 हद्दीश पुत्र फुर्त अली 2. रज्जाक पुत्र मुस्लिम 3. मु0 अनीस पुत्र मुस्लिम 4. युनीश पुत्र मुस्लिम साकिन बरगदहिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. अली अहमद पुत्र स्व0 नेवास 6. मु0 हनीफ पुत्र हबीबुल्लाह साकिनान मौजा साकिन बरगदहिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

**तारीख पेशी 15–02–2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

# गोरखपुर यूनिवर्सिटी से निकला अब धर्म परिवर्तन का जिन्न, मैथ्स प्रोफेसर पर धर्मान्तरण कराने वाली संस्था से संबंधों का आरोप

**संवाददाता–गोरखपुर।** शिक्षक ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रोफेसर नियमों को दरकिनार कर छात्र–छात्राओं को यूनिवर्सिटी से कॉलेज और कॉलेज से यूनिवर्सिटी भेजकर अनियमितता फैलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह खुलेआम शोधार्थियों को धमकी देते हैं, तुम्हारे सुपरवाइजर का कोई मतलब नहीं है। जब तक मैं नहीं चाहूंगा तुम लोगों को डिग्री नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्टूडेंट्स को मानसिक तौर पर परेशान करते हैं। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के ऊपर रोजाना नए आरोप लग रहे हैं। अभी यौन उत्पीड़न के आरोपी 2 प्रोफेसर्स ने पूरे शहर में यूनिवर्सिटी की किरकिरी कराई। इसके बाद अब मैथ्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर पर शोध छात्रों को धमकाने और छात्रा को जबरिया अपने कमरे में बैठने का आरोप विभाग के ही एक दूसरे शिक्षक ने लगाया है। साथ ही उन्होंने कूट रचना करते हुए एक अयोग्य व्यक्ति को सुपरवाइजर बनाने और धर्मान्तरण कराने वाली संस्था से संबंधों की बात अपने शिकायती पत्र में लिखी है।

शिक्षक ने आरोप लगाया है कि आरोपी प्रोफेसर नियमों को दरकिनार कर छात्र–छात्राओं को यूनिवर्सिटी से कॉलेज और कॉलेज से यूनिवर्सिटी भेजकर अनियमितता फैलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह खुलेआम शोधार्थियों को धमकी देते हैं, तुम्हारे सुपरवाइजर का कोई मतलब नहीं है। जब तक मैं नहीं चाहूंगा तुम लोगों को डिग्री नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्टूडेंट्स को मानसिक तौर पर परेशान करते हैं।

हालांकि, प्रोफेसर सुधीर श्रीवास्तव ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि मैंने आज तक कोई अनियमितता नहीं बरती है। रिसर्च स्कॉलर के बारे में उन्होंने बताया कि वह एसटीयूपी` मेजर प्रोजेक्ट में जेआरए हैं। अप्रैल तक उनका कार्यकाल बचा हुआ है। छात्रा के रिसर्च पेपर के लिए मैं गाइडेंस देता हूं। अगर यूनिवर्सिटी की ओर से कोई पत्राचार होता है तो मैं अपना पक्ष रखूंगा। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता शिक्षक के खिलाफ भी लीगल एक्शन लेंगे।

दरअसल, यूनिवर्सिटी के गणित व सांख्यिकी विभाग के टीचर डॉ. राजेश पाण्डेय ने कार्य परिषद की अध्यक्ष वीसी प्रोफेसर पूनम टंडन को पत्र लिखकर आरोप लगाया, कि विभाग के प्रोफेसर सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बिना रिसर्च कमेटी की मीटिंग किए और कार्य परिषद के अध्यक्ष को अंधेरे में रखते हुए एक अयोग्य व्यक्ति डॉ. शिबेश कुमार जा पैसिफ को, को–सुपरवाइजर बना दिया। जो किसी संस्थान में काम नहीं करते हैं। उन्होंने अपने शिकायती पत्र में लिखा है कि पैसिफ, उड़ीसा के सागरा संबलपुर में पैसिफ इंसीट्यूट ऑफ कास्मोलॉजी एंड शेल्फोलॉजी बनाकर बड़े पैमाने पर आदिवासी जनजाति के लोगों का धर्मांतरण कर ईसाई बनाते हैं। उन्होंने पैसिफ और प्रोफेसर सुधीर के बीच संबंधों पर सवाल उठाए हैं।

डॉ. राजेश का आरोप है कि उनके सुपरविजन में शोध कर रही एक छात्रा को प्रोफेसर सुधीर जबरिया अपने कमरे में बैठाते हैं। उन्होंने कहा कि एकेडमिक ऑडिट रिपोर्ट में, मैं ही छात्रा का सुपरवाइजर हूं। एचओडी ने भी मुझे ही उसके सुपरविजन का जिम्मा दिया है। लेकिन 31 जनवरी को सिनोपिंसस प्रजेंटेशन में निर्धारित टॉपिक, सुपरवाइजर का नाम नहीं लिखा गया। इस कूट रचना में प्रोफेसर सुधीर की भूमिका संदिग्ध है। डॉ. राजेश ने अपने शिकायत पत्र में विधि विरूद्ध प्रोजेक्ट टॉपिक के सुपरवाइजर को नजरअंदाज करने और जबरन शीर्षक बदलने का आरोप भी लगाया है।डॉ. राजेश का आरोप है कि विभाग में एमएससी गणित के छात्र–छात्रा अगर अपनी सुविधा के अनुसार ऑप्शनल सब्जेक्ट का चुनाव करते हैं, तो प्रो सुधीर उन्हें डरा–धमका कर दूसरे सब्जेक्ट चुनने का दबाव बनाते हैं। इससे विभाग के स्टूडेंट्स पर मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई सारे स्टूडेंट्स निराश होकर दूसरे संस्थानों में जा रहे हैं।

डॉ. राजेश ने कहा कि प्रोफेसर सुधीर विभाग के कई शिक्षकों और शोध छात्रों से अमर्यादित व्यवहार करते हैं। इससे यहां लोग मानसिक दबाव में हैं। उन्होंने वीसी को पत्र लिखकर आरोपी प्रोफेसर पर कार्रवाई की मांग किया है। वीसी प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

**दैनिक भारतीय बस्ती**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com